No. of Printed Pages : 4

MES-012

01178

MASTER OF ARTS (EDUCATION)

Term-End Examination

June, 2018

MES-012 : EDUCATION : NATURE AND PURPOSES

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *(i)* ***All questions are compulsory.***

(ii) ***All questions carry equal weightage.***

---

1. Answer the following question in about **600** words :

   Explain the concept and nature of a discipline. Is education a discipline ? Justify your answer.

   OR

   Distinguish between the theories of knowledge as propounded by orthodox and heterodox schools of philosophy.

2. Answer the following question in about **600** words :

   Describe the four pillars of education as advocated in the Delor's Report.

   OR

   Explain the principles of curriculum planning. Describe the measures to be adopted for improving the process of planning a curriculum.

3. Answer **any four** of the following questions in about **150** words each :

(a) Highlight the striking features of the National Curriculum Framework 2005.

(b) Differentiate between a priori and a posteriori knowledge.

(c) Discuss the Buddhist Theory of causation.

(d) Distinguish between the descriptive and prescriptive theories of education.

(e) Discuss the characteristic features of Non-formal education.

(f) Explain the aims of education based on Jainism.

4. Answer the following question in about **600** words :

Critically analyze and compare the aims of education as propounded by Tagore and Sri Aurobindo. Discuss their relevance in the present educational scenario.

शिक्षा में परास्नातक

सत्रांत परीक्षा

जून, 2018

एम.ई.एस.-012 : शिक्षा : प्रकृति एवं प्रयोजन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

*नोट : (i) **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*

*(ii) **सभी** प्रश्नों की भारिता **समान** है।*

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

एक शास्त्र (Discipline) के प्रत्यय एवं प्रकृति की व्याख्या कीजिए। क्या शिक्षा एक शास्त्र है? अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।

अथवा

दर्शन के परंपरागत तथा नास्तिक विचारवादों के अनुसार ज्ञान के सिद्धान्तों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

डेलर की रिपोर्ट में बताए गए शिक्षा के चार स्तम्भों का वर्णन कीजिए।

अथवा

पाठ्यचर्या नियोजन के सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए। एक पाठ्यचर्या नियोजन की प्रक्रिया में सुधार हेतु अपनाए जाने वाले उपायों का वर्णन कीजिए।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक लगभग **150** शब्दों में हो :

(a) राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा–2005 के प्रभावी लक्षणों का वर्णन कीजिए।

(b) ज्ञान का पूर्व (priori) तथा पश्चात् (posteriori) स्वरूपों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(c) कारण–खोज के बुद्धकालीन सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।

(d) शिक्षा की व्याख्याकारी तथा निर्देशात्मक सिद्धान्तों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(e) निरौपचारिक शिक्षा के अभिलक्षणों का वर्णन कीजिए।

(f) जैन दर्शन के अनुसार शिक्षा के लक्ष्यों की व्याख्या कीजिए।

4. **निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :**

टैगोर तथा श्री अरविन्द द्वारा प्रतिपादित शिक्षा के लक्ष्यों का आलोचनात्मक विवेचन व तुलना कीजिए। वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य में उनकी प्रासंगिकता का वर्णन कीजिए।